पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PRAYAGRAJ

माघ मेला शिविर में जैविक खेती एवं केंचुआ खाद प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 31-01-2020 को पारि- पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज के माघ मेला शिविर में जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया गया। जिसका आरम्भ केंद्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने कार्यक्रम में आए किसानों का स्वागत करते हुए किया।

जिसमें वक्ता के रूप में श्री चेतना समग्र सामाजिक उत्थान करछना, प्रयागराज से आए हुए श्री सुधाकर जी द्वारा केंचुआ खाद बनाने की विस्तृत विधि एवं उससे होने वाले फायदे के बारे में बताया।

संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमार दुबे द्वारा सूक्ष्मजीवों से निर्मित जैविक खाद के बारे में बताया। सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे राइजोबियम, अजोटोबैक्टर, वैम एवं शैवाल आदि की उपस्थिति पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि को बढ़ाकर प्रति हेक्टेयर 10-20% तक उपज को बढ़ा देते है एवं रासायनिक खाद के दुष्प्रभाव को भी कम करने में मदद करते है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रमुख डॉ संजय सिंह द्वारा जैविक खेती से होने वाली पर्यावरणीय महत्ता के बारे में बताया।

संस्थान की वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव द्वारा जैविक खेती से कैसे किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते है तथा उससे होने वाले लाभों के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के प्रमुख डॉ संजय सिंह द्वारा सुधाकर जी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान की वैज्ञानिक डॉक्टर कुमुद दुबे कार्यक्रम में आए हुए किसानों एवम् सुधाकर जी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आलोक यादव डॉ अनुभा श्रीवास्तव, तकनीकी अधिकारी डॉ सत्येंद्र देव शुक्ला, रतन गुप्ता एवं संस्थान के शोध छात्र, छात्राएं अमन मिश्रा, शिवम केसरवानी, उज्जवल मिश्रा, प्रदीप विश्वकर्मा,अमित कुमार फराज अहमद खान, राजकुमार यादव, विकाश सेठ, चार्ली मिश्रा, रेखा राना, कुलदीप चौहान, प्रदीप विश्वकर्मा,अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

****